वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) गुजरात में सहकारी सूती यानी मिलों के नाम नीचे दिए गए हैं –

(1) अहमदाबाद — शून्य
(2) सूरत — एक
(3) बड़ौदा — शून्य

(ख) जी हां। सहकारी और अन्य मिलों से।

(ग) जी नहीं।

(घ) उपरोक्त (ग) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

देश में और अधिक सूती मिलों की स्थापना

340. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :–

(क) देश में इस समय सहकारी क्षेत्र में सूती मिलों की राज्यवार संख्या क्या है;

(ख) क्या इन मिलों में हथकरघा और विद्युत चालित करघा उद्योगों की मांग को पूरा करने की क्षमता है;

(ग) क्या सरकार गुजरात में नई मिलों की स्थापना का कोई विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान कितनी मिलों के स्थापित किए जाने की संभावना है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) 120 राज्य वार ब्यौरे संलग्न विवरण में दिए गए हैं। **(नीचे देखिए)**

(ख) जी हां।

(ग) जी नहीं।

(घ) उपरोक्त "ग" को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

विवरण

सहकारी क्षेत्र के अन्तर्गत मिलों की राज्य वार स्थिति

राज्य का नाम	कताई मिलों की संख्या
आन्ध्र प्रदेश	9
असम	1
बिहार	3
गुजरात	5
हरियाणा	1
कर्नाटक	8
केरल	4
मध्य प्रदेश	3
महाराष्ट्र	35
उड़ीसा	10
पांडिचेरी	1
पंजाब	6
राजस्थान	3
तमिलनाडु	19
उत्तर प्रदेश	11
पश्चिम बंगाल	1
कुल :	120

गुजरात में टूरिस्ट काम्पलैक्स का निर्माण

341. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान गुजरात में केन्द्र सरकार की वित्तीय सहायता से निर्मित किए गए टूरिस्ट काम्पलैक्स, होटलों और टूरिस्ट होस्टलों की जिलावार संख्या कितनी हैं ;

(ख) उन स्थानों के नाम क्या-क्या हैं; जहां पर ये स्थित हैं; और उन्हें कितनी सहायता प्रदान की गई है;

(ग) इस समय गुजरात सरकार के कितने प्रस्ताव केन्द्र सरकार के पास लम्बित हैं; और

(घ) इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) और (ख) केन्द्रीय पर्यटन विभाग होटलों और पर्यटक होस्टलों के निर्माण के लिए राज्य सरकारों को कोई वित्तीय सहायता नहीं देता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान, पर्यटक परिसरों के निर्माण, जिसके अंतर्गत आवास सुविधाएं देना सम्मिलित हैं, के लिए दी गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा विवरण में दिया गया है।
(नीचे देखिए)

(ग) तीन।

(घ) 1. सोला में पर्यटक परिसर

2. कामरेज में पर्यटक परिसर

3. डारिका में यात्री निवास

विवरण

(लाख रुपयों में)

क्रमांक	परियोजना/स्कीम	जिला	स्वीकृत राशि
1.	सोमनाथ में पर्यटक परिसर	जूनागढ़	16.73
2.	भारत में पर्यटक परिसर	सूरत	15.57
3.	माधोपुर में तट विहार (बीच रिजॉर्ट)	जूनागढ़	16.11
4.	भुज में पर्यटक परिसर	कच्छ	17.00
5.	शियामलाजी में पर्यटक परिसर	साबरकांठा	16.29
6.	उकाई झील पर पर्यटक परिसर	सूरत	16.27

Closure of Handlooms at a large scale

342. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government are aware that thousands of handlooms in several States have been closed down during the past few months as reported in the 'Indian Express' of the 27th October, 1991;

(b) whether the handloom weavers are now on the verge of starvation due to closure of handlooms;

(c) whether Government have since contemplated any fresh measures to save the handloom weavers in the country from starvation; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) While it may be admitted that the recent hike in prices of hank yarn had adversely affected the marketability of handloom products, it is not correct to say that there is large scale closing down of looms in the handloom sector on account of the recent industrial and financial policies of the Government.